Q- Discuss merits and limitations of projective tests of clinical diagnosis. (1) IV

August 2012

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2012 July

B.A. D - II 3rd paper.

3 TUE

प्रक्षेपी परीक्षण में क्लायंट को कई अस्पष्ट उद्दीपक दिए जाते हैं। और उन्हें उसके प्रति अनुक्रिया करनी होती है। इस तरह का परीक्षण व्यक्तित्व के स्वरूप के बारे में किए मनोगतिकी पूर्वकल्पना पर आधारित है। जो यह बतलाता है कि व्यक्ति का वास्तविक अभिप्रेरण अचेतन होता है जिसे मात्र परोक्ष से ही जाना जा सकता है। जब क्लायंट दिए गए अस्पष्ट उद्दीपकों के प्रति अपनी अनुक्रिया करता है तो वह अपने व्यक्तित्व के अचेतन में छिपे अभिप्रेरणों एवं इच्छाओं को परोक्ष रूप से अभिव्यक्त करता है जिसके आधार पर उसके व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाया जाता है। नैदानिक मूल्यांकन में निम्नांकित तरह के प्रक्षेपी परीक्षणों का उपयोग सर्वाधिक किया गया है।

(1) Rorschach test.

4 WED

(2) Thematic Apperception test.

(3) Sentence Completion test.

(4) Draw - A - person or DAP Test

① Rorschach (Add. Last page वाला या 4 Numbering) परीक्षण पर क्लायंट द्वारा दिए गए उत्तरों का विश्लेषण निम्नांकित चार श्रेणियों में किया जाता है —

(i) Location, (ii) Determinants, (iii) Content (iv) Original or popular response and organization

[Add 5th page]

TAT ② TAT द्वारा क्लायंट के व्यक्तित्व के प्रमुख आवश्यकताओं का मापन सफलतापूर्वक हो जाता है। TAT के समान कुछ अन्य प्रक्षेपी परीक्षणों का भी निर्माण किया गया है जो नैदानिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा नैदानिक उद्देश्यों से कभी-कभी किया जाता है।

Add

Notes

Scanned with CamScanner

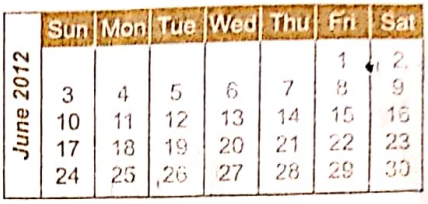

ऐसे परीक्षणों में निम्नांकित का उल्लेख विशेष रूप से वांछनीय है।

(A) Children Apperception test.
(B) Rosenzwig picture-frustration Study.
(C) Roberts Apperception test for Children.

(3). Sentence Completion test. इस परीक्षण में कुछ अधूरे वाक्य होते हैं जिसे क्लायंट को अपने ढंग से पूरा करना होता है। पूर्वकल्पना यह होती है कि क्लायंट द्वारा वाक्यों को पूरा करने के लिए चुने गए शब्दों का या वाक्यांशों द्वारा उसके व्यक्तित्व की झलक मिलती है। आजकल सबसे लोकप्रिय वाक्यपूर्ति परीक्षण जिसका नैदानिक मूल्यांकन में उपयोग किया जाता है।

4. Draw-A-person Test. इस परीक्षण में क्लायंट को एक व्यक्ति के चित्र का आरेखन करना होता है। इस आरेखन के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों के बारे में नैदानिक मनोविज्ञानी अनुमान लगाते हैं।

Advantages of Projective tests of Clinical diagnosis.

1. प्रक्षेपी परीक्षण द्वारा क्लायंट के अचेतन, संज्ञानात्मक एवं सांवेगिक अनुभूतियों के बारे में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण सूचनायें मिलती हैं जिन्हें अन्य परीक्षणों से प्राप्त करना संभव नहीं है।

2. प्रक्षेपी परीक्षण क्लायंट द्वारा अपने वातावरण के किए गए अनोखे प्रत्यक्षणों के बारे में एक महत्वपूर्ण सूचनायें प्रदान करता है।

Notes

Scanned with CamScanner

(ii) प्रक्षेपी परीक्षण की परिस्थिति ही ऐसी होती है जिसमें कुछ

7 SAT

क्लायंट व्यक्तित्व आविष्कारिका की परिस्थिति की तुलना में बातचीत करना अधिक स्वाभाविक एवं आरामदेह महसूस करते हैं इसका परिणाम यह होता है कि प्रक्षेपी परीक्षण द्वारा व्यक्तित्व का किया गया मापन अधिक विश्वसनीय होता है।

इन लाभों के बावजूद नैदानिक परिस्थितियों में प्रक्षेपी परीक्षण की लोकप्रियता काफी कमी है। क्योंकि कुछ शोध अध्ययनों से कई तरह की खामियों के संकेत मिले है। इस परीक्षण के Limitations इस प्रकार है —

1. प्रक्षेपी प्रविधि का प्राप्तांक लेखन तथा क्रियान्वयन की विधि में मानकीकृत की पर्याप्त कमी है जिससे इसकी विश्वसनीयता पर बुरा असर पड़ता है।

8 SUN

2. कुछ प्रक्षेपी परीक्षण खासकर रोशार्क परीक्षण बहुत ही समय लेने वाला प्रविधि है। फलतः इसका उपयोग नैदानिक मनोविज्ञानी नहीं करना चाहते है।

(3) Dawes (1994) ने अपने अध्ययनों के आधार पर यह बतलाया कि प्रक्षेपी परीक्षण की वैधता नकारात्मक है।

(4) प्रक्षेपी परीक्षण के प्राप्तांक-लेखन (Scoring) की विश्वसनीयता तथा व्याख्या काफी कम है।

इन disadvantages के बावजूद भी प्रक्षेपी परीक्षण का उपयोग नैदानिक मूल्यांकन में काफी किया जाता है।

Notes

Scanned with CamScanner

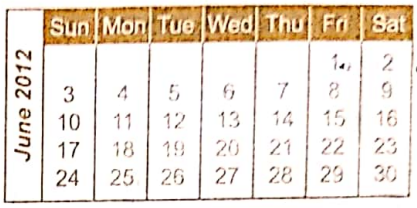

June 2012	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
						1	2
	3	4	5	6	7	8	9
	10	11	12	13	14	15	16
	17	18	19	20	21	22	23
	24	25	26	27	28	29	30

(1) [रोशार्क परीक्षण -: इस परीक्षण का निर्माण स्वीटजरलैण्ड के psychiatrist हरमन रोशार्क द्वारा 1911 से 1921 के बीच किया गया। जिसका प्रकाशन अन्तिम रूप से 1921 में हुआ। इसमें स्याही के धब्बे के समान 10 चित्र होते हैं जो अलग अलग 10 कार्ड पर होते हैं इसमें से कुछ रंगीन धब्बे होते हैं और कुछ काले उजले एवं grey होते हैं। इस परीक्षण का क्रियान्वयन दो अवस्थाओं में किया जाता है।

(I) Free association stage.

(II) Enquiry stage.

स्वतंत्र साहचर्य की अवस्था में प्रत्येक कार्ड में उसे जो देखता है बतलाना होता है। इस तरह के सभी 10 कार्ड के प्रति दिए गए अनुक्रियाओं को नैदानिक मनोविज्ञानी लिख लेते हैं इसके बाद दूसरी अवस्था अर्थात जाँच पड़ताल की अवस्था शुरू होती है जिसमें व्याक्ति द्वारा दिये गये प्रत्येक अनुक्रिया के कारणों या निर्धारकों का पता लगाया जाता है दूसरे शब्दों में यहाँ व्याक्ति से यह जानने की कोशिश की जाती है कि कार्ड का कौन सी विशेषता के आधार पर व्याक्ति ने अमुक अनुक्रिया किया है।

Notes

Scanned with CamScanner

December 2012	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	30	31					1
	2	3	4	5	6	7	8
	9	10	11	12	13	14	15
	16	17	18	19	20	21	22
	23	24	25	26	27	28	29

2. T.A.T –

21 WED

इस परीक्षण का निर्माण Murray ने हारवर्ड विश्वविद्यालय में किया। 1938 में मार्गन के साथ मिलकर इन्होंने परीक्षण का संशोधन किया। इस परीक्षण में रोशार्क परीक्षण के समान उद्दीपक या परिस्थिति बहुत ही अस्पष्ट एवं असंगठित नहीं होती है। इस परीक्षण का उद्दीपक या परिस्थिति तुलनात्मक रूप से अधिक स्पष्ट होती है। इस अर्थ में T.A.T. रोशार्क परीक्षण से भिन्न है। इस परीक्षण में कुल 31 कार्ड होते हैं जिनमें से 30 कार्ड पर चित्र बने होते हैं तथा 1 कार्ड सादा होता है। जिस व्यक्ति के व्यक्तित्व को मापना होता है उसके यौन एवं उम्र के अनुसार इन 31 कार्ड में से 20 कार्ड का चयन कर लिया जाता है। इन 20 कार्ड में 19 कार्ड पर चित्र अंकित होते हैं और एक कार्ड सादा होता है। किसी एक व्यक्ति पर 20 कार्ड से अधिक नहीं दिया जा सकता है। प्रत्येक कार्ड के चित्र के आधार पर

22 THU

व्यक्ति जिनका व्यक्तित्व मापन किया जाता है एक कहानी तैयार करता है जिसमें चित्र से संबंधित घटना के भूत, भविष्य तथा वर्तमान तीनों का वर्णन किया जाता है। इस परीक्षण का क्रियान्वयन दो सत्रों में होता है — पहले सत्र में 10 कार्ड और फिर दूसरे सत्र में अंतिम दस कार्ड व्यक्ति को देकर उसके आधार पर कहानी लिखने को कहा जाता है। सबसे अन्त में सादा कार्ड दिया जाता है जिस पर अपने मन से किसी चित्र को मानकर उसके आधार पर कहानी लिखने के लिए कहा जाता है। Murray ने दो सत्रों के बीच कम से कम 1 घंटे का अन्तर देने की सिफारिश की है। सभी कार्ड के आधार पर कहानी लेखन का कार्य समाप्त होने पर एक साक्षात्कार लिया जाता है जिसका उद्देश्य

Notes

यह जानना होता है कि कहानी लिखने में व्यक्ति की कल्पना शक्ति का स्रोत मात्र चित्र या चित्र से बाहर की भी घटना रही है।

Scanned with CamScanner